संरक्षक

प्रो. हरी बहादुर श्रीवास्तव

कुलपति

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर

मार्गदर्शक मण्डल

पद्मश्री निवेदिता रघुनाथ भिड़े
उपाध्यक्ष, विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी

न्यायमूर्ति 'से.नि.' गिरिधर मालवीय
कुलाधिपति,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
कुलाधिपति ,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो. गिरीश चन्द त्रिपाठी
पूर्व कुलपति,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. कमलेश जोशीपुरा
पूर्व कुलपति,सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात

सलाहकार समिति

- प्रो. दीपक बाबू, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य
- प्रो. हरीश कुमार शर्मा,संकायाध्यक्ष, कला
- प्रो. प्रकृति राय, संकायाध्यक्ष (परिसर), विज्ञान
- प्रो. सुशील कुमार तिवारी, ओ.एस.डी.
- डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह, कुलसचिव
- श्री अजय कुमार सोनकर, वित्त अधिकारी

संचालन समिति

- प्रो. सौरभ, आचार्य, एम0बी0ए0 विभाग
- प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव
- डॉ. सुनीता त्रिपाठी, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. सत्येन्द्र कुमार दुबे,सहयुक्त आचार्य
- डॉ. सच्चिदानन्द चौबे, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. नीता यादव, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. अखिलेश दीक्षित, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. कौशलेन्द्र चतुर्वेदी, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह,सहयुक्त आचार्य
- डॉ. मनीष शर्मा, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. लक्ष्मण सिंह, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, सहयुक्त आचार्य
- डॉ. विशाल गुप्ता,सहयुक्त आचार्य
- डॉ. आशुतोष कुमार वर्मा, सहयुक्त आचार्य

आयोजन समिति

- डॉ. रेनू त्रिपाठी, सहा. आचार्य
- डॉ. दिनेश प्रसाद, सहा. आचार्य
- डॉ. प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी,सहा. आचार्य
- डॉ. संतोष सिंह,सहा. आचार्य
- डॉ. अविनाश प्रताप सिंह,सहा. आचार्य
- डॉ. जयसिंह यादव, सहा. आचार्य
- डॉ. हृदयकान्त पाण्डेय, सहा. आचार्य
- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार,सहा. आचार्य
- डॉ. अमित कुमार साहनी, सहा. आचार्य
- डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय, सहा. आचार्य
- डॉ. शरदेन्दु कुमार त्रिपाठी, सहा. आचार्य
- डॉ. वन्दना गुप्ता, सहा. आचार्य
- डॉ. सरिता सिंह, सहा. आचार्य
- डॉ. आभा द्विवेदी, सहा. आचार्य
- डॉ. यशवन्त यादव, सहा. आचार्य
- डॉ. नीरज सिंह, सहा. आचार्य
- डॉ. विमल चन्द वर्मा, सहा. आचार्य
- डॉ. अरविन्द कुमार रावत, सहा. आचार्य
- डॉ. मनीषा वाजपेयी, सहा. आचार्य
- डॉ.रविकान्त शुक्ला, सहा. आचार्य
- डॉ. कपिल गुप्ता, सहा. आचार्य
- डॉ. डी.बी. सिंह, सहा. आचार्य
- डॉ. मयंक कुशवाहा, सहा. आचार्य
- डॉ. हरेन्द्र कुमार शर्मा,सहा. आचार्य
- डॉ. दीप्ति गिरि, सहा. आचार्य
- डॉ. रक्षा, सहा. आचार्य
- डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, सहा. आचार्य
- डॉ. किरन गुप्ता, सहा. आचार्य
- डॉ. अनुज कुमार, सहा. आचार्य
- डॉ. विनीश कुमार, सहा. आचार्य
- डॉ. आजाद कुमार, सहा. आचार्य
- डॉ. आशीष श्रीवास्तव, सहा. आचार्य
- डॉ. विनीता रावत, सहा. आचार्य
- डॉ. अब्दुल हफीज, सहा. आचार्य
- डॉ. अमरजीत यादव, सहा. आचार्य
- डॉ. बाल गंगाधर, सहा. आचार्य
- डॉ. कहकशाँ खान, सहा. आचार्य
- डॉ. दीपक जायसवाल, सहा. आचार्य
- डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव, सहा. आचार्य
- डॉ. मुन्नू खान, सहा. आचार्य
- डॉ. सत्यम मिश्रा, सहा. आचार्य
- डॉ.पूर्णेश नारायण, सिंह, सहा. आचार्य
- डॉ. राजेश कुमार सिंह, उप ग्रंथालयी
- श्री दीना नाथ यादव, उपकुलसचिव

पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय

कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर

द्वारा आयोजित

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की चिन्तन दृष्टि का भारतीय क्रियात्मक स्वरूप

विषय पर आयोजित एक दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 25 सितम्बर, 2023

आमन्त्रण

प्रतिष्ठा में,

_____

_____

_____

प्रेषक

प्रो. मंजु द्विवेदी
शोध चेयर प्रोफेसर/कार्यक्रम संयोजक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय,कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर

LIVE Watch Live on: www.facebook.com/SUKSN.1

www.suksn.edu.in

उद्घाटन समारोह

अध्यक्ष

प्रो. हरी बहादुर श्रीवास्तव

कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर

मुख्यवक्ता

प्रो.ईश्वर शरण विश्वकर्मा

पूर्व अध्यक्ष, उच्च शिक्षा आयोग, प्रयागराज

विशिष्ट अतिथि

श्री विशाल सिंह, आई.ए.एस.

नगर आयुक्त, अयोध्या

मुख्य अतिथि

श्री सूर्यकान्त जालान

निदेशक, सुरभि संस्थान, वाराणसी

समापन समारोह

सानिध्य

प्रो. हरी बहादुर श्रीवास्तव

कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष

प्रो. रामअचल सिंह

पूर्व कुलपति, डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

मुख्यवक्ता

डॉ. कमल कौशिक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, गोकुल, मथुरा

मुख्यअतिथि

सुश्री शशि जी बघेल

क्षेत्रीय प्रचारिका, पूर्वी उत्तर प्रदेश

उत्तरापेक्षी

डॉ. शिवम शुक्ला
आयोजन सचिव

प्रो. मंजु द्विवेदी
संयोजक

संगोष्ठी परिचय

बुद्ध की पावन धरा पर स्थित नवोदित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय अत्तदीपो भव के भाव से सम्पूरित इस शिक्षा मंदिर में विद्यार्थियों के लिए भागवान बुद्ध का यह संदेश ''चन्द्रमा के जैसे, बादलों के पीछे से निकलो.....खूब चमको'' नैतिक, शैक्षिक और आत्मिक बल की शाश्वतता का परिचय सम्पूर्णता से करा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार राष्ट्रवादी विचारधारा को पोशित–पल्वित करने हेतु विश्वविद्यालय को पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की स्थापना करने हेतु संस्तुति प्रदान की है। जो दो वर्षों से लगातार मा0 कुलपति के संरक्षकत्व में राष्ट्र की तीन बातें देश, समाज और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु उक्त पीठ समर्पित है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की चिन्तन दृष्टि में एक देश, एक राष्ट्र, एक संस्कृति सन्निहित है। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि ''अगर मुझे दो दीनदयाल जी मिल जायें तो मैं भारत की राजनीति का नक्सा बदल दूँ।'' निश्चित रूप से पं0 दीनदयाल जी का चिन्तन सम–सामयिक भारतीय इतिहास, देश की राजनीति, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों, समाज की भ्रमित राजनीति को एक नया विचार दिया है। यही भारतीय संस्कृति जीवन पद्धति का स्रोत है। इसके फलस्वरूप कल्याणकारी राष्ट्र भारतमाता के रूप में दिखाई देता है। मत–सम्प्रदाय के सम्मुख सम्पूर्ण भारत का चित्र एकता और अखण्डता का द्योतक है। भारतीय विचारधारा की धर्मधारिता ही भारत भूमि के यशोवृद्धि का ध्येय वाक्य है। दैनिक आचरण में भी राष्ट्र भावना के पोषक संस्कारों का समावेश दिखाई देता है। अखण्ड राष्ट्रीयता का आह्वान हमें फिर से करना चाहिए। भारतवर्ष के लिए यही गौरव की बात है। दैवी चिति वाले राष्ट्र में सात्विक संकल्पसिद्ध प्रत्येक भारतीय प्रातः उठते ही भारत भूमि को भारतमाता कहकर प्रणाम करता हुआ कहता कि–

''समुद्रवसने देवि, पर्वतस्तनमण्डले।
विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं, पादस्पर्शं क्षमस्व मे।।''

धर्म–कर्म और ज्ञान की त्रिवेणी बहाकर समस्त साहित्यकारों ने राष्ट्र की सनातन परम्परा को वाणी का परिधान पहनाकर जन–समुदाय के सामने उपस्थिति किया है। पं0 दीनदयाल जी ने कहा है कि ''हम एकता की आकांक्षा रखते हैं तो हिन्दू राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति का दर्शन हमें आत्मसात् करना होगा।'' आज समूचा विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि भारतीय विचारधारा ही विश्व कल्याणकारी सूत्र है। जिसकी रक्षा करना सम्पूर्ण विश्व का धर्म है। आज के परिप्रेक्ष्य में जिस विषय का चयन किया गया है–''पं0 दीनदयाल उपाध्याय की चिन्तन दृष्टि का भारतीय क्रियात्मक स्वरूप'' वह सम्पूर्णता के साथ प्रस्फुटित हुई है। जिसे नित नवीन विचारधारा से जोड़कर यह संगोष्ठी आयोजित की गई है। जिसमें चिन्तकों, विचारकों द्वारा ऐतिहासिक दृष्टिकोण से राष्ट्र की दशा व दिशा पर विचार मंथन होगा, हमारी भावी पीढ़ी एवं शिक्षक, शिक्षार्थी सहभागी होंगे। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की चिन्तन दृष्टि को अन्तिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए यह शोधपीठ समर्पित है। जिससे अध्ययन, अध्यापन और शोध क्रिया का भारतीय पक्ष समस्त जन–समुदाय के सामने उपस्थित हो सके।

Online Registration Link

https://forms.gle/mGCiNEawoPiqUvrY6

Registration fees:

1. Teachers/ Faculty- Rs.500/-
2. Ph.D Students- Rs. 300/-
3. UG/PG Students- Rs. 200/-

Note:

* No Accommodation Charges
* for Speakers/ Guest- Tathagat International Guest House
* for Teachers/ Faculty- Boys Hostel/ Women Hostel
* WI-FI facility available for all
* Lunch/ Dinner/Tea Free of Cost

Scan Me

Contact us:

Pt. Deendayal Upadhyay Shodhpeeth
Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar
email id pdusp@.suksn.edu.in
Mobile No.7355918020, 8299811965

Serial No./ क्रम संख्या _____

National Seminar
राष्ट्रीय संगोष्ठी

'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की चिन्तन दृष्टि का भारतीय क्रियात्मक स्वरूप'

25/09/2023

Registration Form/पंजीकरण-प्रपत्र

Name/नाम_____

Faculty/ Researcher/Student(UG/PG) _____

Gender /लिंग (M/F) _____

Mobile / दूरभाष _____

Email /ई-मेल _____

Title of Research Paper /शोध पत्र का शीर्षक (if any)

_____

Institute /संस्थान _____

Fee Paid_____ Session (FN/AN) _____

Date /दिनांक_____ Signature / हस्ताक्षर_____

Pt. Deendayal Upadhyay Shodhpeeth
Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar
email id pdusp@.suksn.edu.in
Mobile No.7355918020, 8299811965

Serial No./ क्रम संख्या _____

National Seminar
राष्ट्रीय संगोष्ठी

'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की चिन्तन दृष्टि का भारतीय क्रियात्मक स्वरूप'

25/09/2023

Registration Form/पंजीकरण-प्रपत्र

Name/नाम_____

Faculty/ Researcher/Student(UG/PG) _____

Gender /लिंग (M/F) _____

Mobile / दूरभाष _____

Email /ई-मेल _____

Title of Research Paper /शोध पत्र का शीर्षक (if any)

_____

Institute /संस्थान _____

Fee Paid_____ Session (FN/AN) _____

Date /दिनांक_____ Signature / हस्ताक्षर_____

Pt. Deendayal Upadhyay Shodhpeeth
Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar
email id pdusp@.suksn.edu.in
Mobile No.7355918020, 8299811965

Serial No./ क्रम संख्या _____

National Seminar
राष्ट्रीय संगोष्ठी

'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की चिन्तन दृष्टि का भारतीय क्रियात्मक स्वरूप'

25/09/2023

Registration Form/पंजीकरण-प्रपत्र

Name/नाम_____

Faculty/ Researcher/Student(UG/PG) _____

Gender /लिंग (M/F) _____

Mobile / दूरभाष _____

Email /ई-मेल _____

Title of Research Paper /शोध पत्र का शीर्षक (if any)

_____

Institute /संस्थान _____

Fee Paid_____ Session (FN/AN) _____

Date /दिनांक_____ Signature / हस्ताक्षर_____

Pt. Deendayal Upadhyay Shodhpeeth
Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar
email id pdusp@.suksn.edu.in
Mobile No.7355918020, 8299811965